पंचम अध्याय

निष्कर्ष, व्याख्या और शोध सार

अध्याय–पंचम

निष्कर्ष, व्याख्या और शोध सार

5.0.0 प्रस्तावना

प्रथम अध्याय में शोध उद्देश्य, शोध की आवश्यकता के बारे में दिया गया हैं। द्वितीय अध्याय में संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन के बारे में हैं। शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया के अन्तर्गत न्यादर्श चयन, उपकरण एवं तकनीकि शोध का प्रारुप, प्रदत्तो के संकलन की प्रक्रिया और प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधि आदि तृतीय अध्याय में हैं। चतुर्थ अध्याय में उद्‌देश्य के अनुसार शोध का परीणाम और निष्कर्ष दिया गया हैं। इस अध्याय में उद्‌देश्य के अनुसार शोध का निष्कर्ष, व्याख्या एवं शोध सार दिया गया हैं।

5.1.0 निष्कर्ष

1. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का गुजराती पाठ्यक्रम हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम से सामान्य मुद्‌दें को ज्यादा पूरा करता हैं।
2. हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन का बी.एड. पाठ्यक्रम गुजराती के विषय वस्तु के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को अंशतः पूरा करता है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान गुजराती पाठ्यक्रम के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को ज्यादा पूरा करती है।
3. हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के बी.एड. का गुजराती पाठ्यक्रम के मूल्यांकन प्रणाली में काफी अंतर है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में सतत: और आंतरिक मूल्यांकन होता हैं।

4. क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान का शिक्षण अभ्यास, दिशा–निर्देशन, पाठ्य सहगामी कार्य, सत्रीय कार्य, इंटर्नशिप (40 दिन) तथा शिक्षण विधियां, प्रायौगिक कार्य आदि हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के शिक्षण विधियां, सूक्ष्म शिक्षण, पाठयोजना, इंटर्नशिप (15 दिन) आदि से ज्यादा प्रभावशील है।

5.2.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के सामान्य मुद्र्दे का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान सामान्य मुद्दे को हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय पाटन से ज्यादा पूर्ण करती है। क्योंकि यह एन.सी.ई. आर.टी. के अंतर्गत एन.सी.एफ. 2005 द्वारा पाठ्यक्रम को चलाता है किन्तु हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में ऐसा नहीं है। अतः वह पूर्ण रूप से सामान्य मुद्दे को पूरा नहीं करता है। साक्षात्कार में सामान्य मुद्दे के अंतर्गत शोधकर्ता ने देखा है कि हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में गुजराती पाठ्यक्रम परिवर्तन होना चाहिये।

कोठारी कमीशन (1964–66) में कहा है कि बच्चों का भविष्य चार दीवारों के अंदर हो रहा है अतः भावी शिक्षक तैयार करने के लिये प्रशिक्षक होना चाहिये। इसलिये बी.एड. का पाठ्यक्रम भविष्य के आधार पर निर्माण होना चाहिये। किन्तु यह मुमकिन नहीं है। क्योंकि समय बदलता रहता है। इस तरह तकनीकी में भी परिवर्तन होता रहता है। इसलिये वर्तमान में सामान्य मुद्दे को अंशतः पूरा किया जा सकता है।

5.3.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के विषयवस्तु का तुलनात्मक अध्ययन

विषय वस्तु के अंतर्गत शोधकर्ता नें यह देखा है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम दो साल है और हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय का एक साल का है। इसी अंतर को देखने से ही पता चलता है कि दो साल में विषय वस्तु पर लचीलापन ला सकते हैं। विशेषज्ञों द्वारा हमनें यह पाया है कि अगर वर्तमान में बी.एड. दो वर्ष का होता है तो हमारे भविष्य के शिक्षक प्रशिक्षण प्रभावशील व्यक्तित्व वाले तैयार हो सकते हैं। किन्तु समय के अनुसार शिक्षकों की आवश्यकता होने के कारण अर्द्ध सरकारी संस्थाऐं खोले गये, जिससे शिक्षकों की गुणवत्ता घटती जा रही है। इसको सुधारने के लिये बी.एड. के विषय वस्तु तथा इसकी पद्धति में आधुनिक समय की पद्धतियों को प्रयुक्त किया जाए तो यह विषय वस्तु को पूर्णतः पूरा कर सकता है।

एन.सी.ई.आर.टी. ने एन.सी.एफ–2005 के द्वारा बनाया गया बी. एड. पाठ्यक्रम की रूपारेखा को तैयार किया गया है क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एन.सी.ई.आर.टी. की एक इकाई है इसलिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम एन.सी.एफ–2005 द्वारा बनाए गए पाठ्यक्रम को पूर्ण करता है, जबकि हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय एन.सी.एफ–2005 के पाठ्यक्रम को पूरा करने कोशिश करता है इसलिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान ज्यादा प्रभावशील है।

5.4.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय के गुजराती पाठ्यक्रम में मूल्यांकन में अन्तर पाया गया हैं। हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम के गुजराती विषय का मूल्यांकन सैद्धांतिक पाठ्यक्रम पर आधारित है। तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का बी.एड. पाठ्यक्रम के गुजराती विषय का मूल्यांकन नवाचार पद्धति पर आधारित है। जिसमें आंतरिक मूल्यांकन, बाह्य मूल्यांकन, सतत् मूल्यांकन, आंकलन, गोष्ठीय प्रयोजन, प्रायौगिक कार्य आदि को सम्मिलित किया गया है। विशेषज्ञों का मत है कि मूल्यांकन नवाचारी पद्धति से होना चाहिये।

प्रश्न पत्र के अंतर्गत देखा जाए तो कोई खास भिन्नता नहीं है। गुजराती पाठ्यक्रम में वैकल्पिक प्रश्नों का भी बहुत महत्व होता है और वह शोधकर्ता को देखने को मिला है। इस उद्देश्य के अंतर्गत सामान्यतः कोई भिन्नता देखने को नहीं मिलती है।

5.5.0 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के पाठ योजना, सूक्ष्म शिक्षण, अवधि, पद्धति और इन्टर्नशिप का तुलनात्मक अध्ययन

सूक्ष्म शिक्षण, पाठयोजना, इंटर्नशिप, शिक्षा पद्धति में काफी अंतर देखने को मिला है। क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान में इंटर्नशिप 40 दिन होती है जो एन.सी.एफ. और एन.सी.टी.ई. के अनुसार है किन्तु

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में यह सिर्फ 15 दिनों की है। इसी के साथ समय और पद्धति में भी काफी अंतर है।

अतः यह कह सकते हैं कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में दो साल का पाठ्यक्रम होने के कारण हम पाठ्यक्रम में विविधता, विविध पद्धतियाँ, इन्टर्नशिप, समय आदि में विविधता को लागू कर सकते हैं। और इसके अलावा शोधकर्ता विशेषज्ञों के मतों से देखा है कि दो साल का बी.एड. पाठ्यक्रम अधिक प्रभावशाली होता है। साथ–साथ में यह भी कहा है कि हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय भी एक साल के अंतर्गत इसके सभी उद्देश्यों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

5.6.0 उपसंहार

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने बी.एड. पाठ्यक्रम के गुजराती पाठ्यक्रम की तुलना करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है की क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी. के अंतर्गत होने के कारण वह एन.सी.एफ. 2005 और एन.सी.टी.ई. के नियमों को लागू करता है। और एन.सी.ई.आर.टी. का यह उद्देश्य है कि इस संस्थान से निकलने वाले प्रशिक्षकों एक उत्तम शिक्षक की भूमिका अदा कर सके और यह क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अपने क्षेत्र में एक आदर्श शिक्षा महाविद्यालय की भूमिका अदा करता है। इसके अंतर्गत निकलने वाले परिणाम अच्छे हैं तो वह अपने क्षेत्र की अन्य शिक्षा महाविद्यालय में लागू कर सकते हैं। हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में बी.एड. का पाठ्यक्रम एक साल का है इसमें भी एन.सी.टी.ई. के द्वारा मान्य पाठ्यक्रम को चलाया जाता है। इसमें भी शोधकर्ता ने देखा है कि एक वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत काफी कार्यक्रम को पूर्ण करने का प्रयास करते हैं। जो शिक्षक अध्यापक

में विविधता, सृजनात्मकता, विचारशीलता और कौशल का विकास करता है। हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में काफी परिवर्तन देखने को मिलता है। अंत में कोई भी पाठ्यक्रम सभी उद्देश्यों को पूर्ण तरह से पूरा नहीं कर सकता है।

5.7.0 शोध सारांश

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता ने शोध सारांश निम्न प्रकार से दिया गया है, जो इस प्रकार है।

5.7.1 अध्ययन की आवश्यकता

विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये बी.एड. प्रशिक्षण की कई संस्थाएँ खोली हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में बी.एड. दो वर्ष का होता है। हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय में बी.एड. एक वर्ष का होता है। दोनों में एक साल का अंतर है। एन.सी.ई.आर.टी. ने 2004 मे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की एक साल की बी.एड. पाठ्यक्रम और आर.आई.ई. के दो वर्ष के बी. एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन किया था। जिसमें आर.आई. ई. के दो वर्ष के बी.एड. प्रभावशालीन है ऐसा परिणाम आया था। इसलिये क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक है।

5.7.2 समस्या कथन

"क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के बी.एड. पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन"

5.7.3 उद्देश्य

- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के सामान्य मुद्दों का तुलनात्मक अध्ययन
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के विषय वस्तु का तुलनात्मक अध्ययन
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम के पाठ्योजना, सूक्ष्म शिक्षण, समय, पद्धति एवं इन्टर्नशिप का तुलनात्मक अध्ययन

5.7.4 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां

1. सर्वे पद्धति।
2. विषयवस्तु विश्लेषण।

5.7.5 प्रतिदर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रतिदर्श के रूप में 27+5 विशेषज्ञ, सहायक अध्यापक, प्रवाचक एवं एम.एड. के विद्यार्थियो को लिया गया, जो क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन से चयनित किया गया।

5.7.6 शोध में प्रयुक्त उपकरण

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली और साक्षात्कार को प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

5.7.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार प्रदत्तों की सारणियाँ बनाई गई। उचित परिणाम प्राप्त करने के लिये प्रत्येक मूल्य का इकाई निहित प्रतिशत और काई–वर्ग ज्ञात किया गया है।

5.7.8 निष्कर्ष

1. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का गुजराती पाठ्यक्रम हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के गुजराती पाठ्यक्रम से सामान्य मुद्दें को ज्यादा पूरा करता हैं।
2. हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन का बी.एड. पाठ्यक्रम गुजराती के विषय वस्तु के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को अंशतः पूरा करता है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान गुजराती पाठ्यक्रम के विभिन्न दिशाओं (Dimension) या मुद्दे (Issue) को ज्यादा पूरा करती है।
3. हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के बी.एड. का गुजराती पाठ्यक्रम के मूल्यांकन प्रणाली में काफी अंतर है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में सतत: और आंतरिक मूल्यांकन होता हैं।
4. क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान का शिक्षण अभ्यास, दिशा–निर्देशन, पाठ्य सहगामी कार्य, सत्रीय कार्य, इंटर्नशिप (40 दिन) तथा शिक्षण विधियां, प्रायौगिक कार्य आदि हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के शिक्षण विधियां, सूक्ष्म शिक्षण, पाठयोजना, इंटर्नशिप (15 दिन) आदि से ज्यादा प्रभावशील है।

.9 शोध की परिसीमाएँ

- प्रस्तुत अध्ययन केवल बी.एड. के गुजराती पाठ्यक्रम तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन केवल हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के महेसाणा, विसनगर, भाण्डु, बेचराजी, पाटन के विशेषज्ञ, सहायक अध्यापक एवं प्रवक्ता तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन केवल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के गुजराती विषय के सहायक अध्यापक एवं एम.एड. विद्यार्थियों तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन केवल 27 हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय पाटन एवं 5 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के विशेषज्ञ, सहायक अध्यापक, प्रवक्ता और एम.एड. विद्यार्थियों तक ही सीमित है।

ाठ्यक्रम की पूर्णरूप से निर्माण करने के लिये अधिक मुद्दों को यान में रखना पड़ता है। इसलिये जब भी पाठ्यक्रम का निर्माण रते हैं तब निम्न प्रकार की बातों को ध्यान में रखना आवश्यक –

- पाठ्यक्रम सामान्य मुद्दों (General Issue) को पूर्ण करने वाला होना चाहिये।
- वर्तमान जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाने वाला होना चाहिये।
- वर्तमान पद्धति के आधार पर होना चाहिये।
- विषय–वस्तु शिक्षक के आधार पर नहीं किन्तु विद्यार्थी–शिक्षक दोनों के आधार पर होना चाहिये।
- मूल्यांकन में विविधता होनी चाहिये जिससे विद्यार्थी जीवंत बन सके।
- आधुनिक तकनीक एवं एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्माण आदर्श पाठ्यक्रम के आधार पर होना चाहिये।
- पाठ्यक्रम में लचीलापन होना चाहिये।
- पाठ्यक्रम सतत् एवं आंतरिक मूल्यांकन वाला होना चाहिये।
- मनोवैज्ञानिक, समय, जाति, क्षेत्र के आधार पर होना चाहिये।